दक्षता आधारित कार्य-पत्रक

विषय: हिन्दी कक्षा : नवीं

पाठ/प्रकरण का नाम :	**ल्हासा की ओर**	**समयावधि :**	40 मिनट
विद्यार्थी का नाम :	------------------------------------	**पूर्णांक :**	20
अनुक्रमांक (रोल नं.) :	....	**दिनांक :**	....../....../ ....

निर्देश:- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है |
2. कार्य-पत्रक में दिए गए स्थान पर ही उत्तर लिखें |
3. लेखन कार्य की स्पष्टता एवं शुद्धता का विशेष ध्यान रखें|

	(गद्यांश आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए ।	5
	अब हमें सबसे विकट डाँड़ा थोड्ला पार करना था। डाँड़े तिब्बत में सबसे खतरे की जगहें हैं। सोलह-सत्रह हजार फीट की ऊँचाई होने के कारण उनके दोनों तरफ़ मीलों तक कोई गाँव- गिरॉव नहीं होते। नदियों के मोड़ और पहाड़ों के कोनों के कारण बहुत दूर तक आदमी को देखा नहीं जा सकता। डाकुओं के लिए यही सबसे अच्छी जगह है। तिब्बत में गाँव में आकर खून हो जाए, तब तो खूनी को सज़ा भी मिल सकती है, लेकिन इन निर्जन स्थानों में मरे हुए आदमियों के लिए कोई परवाह नहीं करता। सरकार खुफ़िया-विभाग और पुलिस पर उतना खर्च नहीं करती और वहाँ गवाह भी तो कोई नहीं मिल सकता। डकैत पहिले आदमी को मार डालते हैं, उसके बाद देखते हैं कि कुछ पैसा हैं कि नहीं। हथियार का कानून न रहने के कारण यहाँ लाठी की तरह लोगपिस्तौल, बंदूक लिए फिरते हैं। डाकू यदि जान से न मारे तो खुद उसे अपने प्राणों का खतरा है।	
1.	"अब हमें सबसे विकट डाँड़ा थोड्ला पार करना था |" डाँड़े तिब्बत में सबसे खतरे की विकट जगहें क्यों बताई गयी हैं?	1
	(क) सोलह-सत्रह हजार फीट की ऊँचाई होने के कारण		
	(ख) दोनों तरफ़ मीलों तक कोई गाँव- गिरॉव नहीं होने के कारण		
	(ग) डाकुओं का ख़तरा होने के कारण		
	(घ) उपर्युक्त सभी कारणों से		
2.	डाँड़े तिब्बत में सबसे अच्छी जगह किसके लिए बताई गयी हैं?	1
	(क) पुलिस के लिए		
	(ख)यात्रियों के लिए		
	(ग) खुफ़िया विभाग के लिए		
	(घ) डाकुओं के लिए		

3.	हथियार का कानून न रहने के कारण तिब्बत में क्या स्थिति बनी गयी हैं ?	1
	(क) सरकार खुफ़िया-विभाग और पुलिस के लिए सुविधाजनक स्थिति |	
	(ख)लोग हथियारों को स्वतंत्र रूप से बिना भय के लेकर घूमते हैं |	
	(ग)डाकुओं के लिए सुविधाजनक स्थिति |	
	(घ)उपर्युक्त सभी |	
4.	डाकू यदि जान से न मारे तो खुद उसे अपने प्राणों का खतरा है।ऐसा क्यों कहा गया है ?	1
	(क)सरकार और ख़ुफ़िया विभाग की सतर्कता के कारण |	
	(ख)हथियारों का कानून न होने के कारण लोग यहाँ खुले आम हथियार लिए फिरते हैं |	
	(ग)डाकुओं की दयनीय स्थिति के कारण |	
	(घ) नदियों के मोड़ और पहाड़ों के कोनों के कारण बहुत दूर तक उन्हें किसी की सहायता नहीं मिलती |	
5.	'डाँड़े' शब्द का प्रयोग प्रस्तुत गद्यांश में किसके लिए किया गया है ?	1
	(क)तिब्बत में स्थित एक गाँव |	
	(ख)तिब्बत के लोगों का एक हथियार |	
	(ग)तिब्बत में सोलह -सत्रह हज़ार फ़ीट की ऊँचाई पर स्थित एक ख़तरनाक जगह |	
	(घ) खुफ़िया-विभाग और पुलिस का एक कार्यालय |	
	(पाठ आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
6.	'लहासा की ओर' गद्य की किस विधा के अंतर्गत आता है ?	1
	(क)निबंध	
	(ख)कहानी	
	(ग)संस्मरण	
	(घ)यात्रा वृतांत	
7.	लेखक ने तिब्बत की प्रथम यात्रा किस वेश में की ?	1
	(क)एक राजदूत के रूप में |	
	(ख)एक भिखारी के वेश में |	
	(ग)एक डाकू के वेश में |	
	(घ)एक भद्र यात्री के वेश में |	
8.	तिब्बत में महिलाएं दूधवाली चाय के रंग को बनाने के लिए किस वस्तु करती थी ?	1
	(क) मक्खन और सोडा-नमक का इस्तेमाल |	
	(ख)साधारण चाय पत्ती का इस्तेमाल |	
	(ग)केवल सोडा -नमक का इस्तेमाल |	
	(घ)केवल मक्खन का इस्तेमाल |	

9.	**कथन** -तिब्बत में गाँव में आकर खून हो जाए ,तब तो खूनी को सज़ा भी मिल सकती है ,लेकिन इन निर्जन स्थानों में मरे हुए आदमियों के लिए कोई परवाह नहीं करता | **कारण** – सरकार खुफ़िया -विभाग और पुलिस पर उतना खर्च नहीं करती और निर्जन स्थानों पर गवाह भी तो नहीं मिल सकता |	
	(क) कथन सही और कारण गलत है |	
	(ख) कथन गलत और कारण सही है |	
	(ग) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है |	
	(घ) कथन और कारण दोनों गलत हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है |	
10.	प्रस्तुत यात्रा वृत्तांत के आधार पर उस समय के तिब्बती समाज के बारे में पता चलता हैं कि -	
	(क) तिब्बत के समाज में छुआछूत ,जाति-पाँति आदि कुप्रथाएँ नहीं थी |	
	(ख)तिब्बती समाज में पर्दा -प्रथा नहीं थी |	
	(ग)वहाँ भिक्षु जागीर में राजा के सामान सम्मान पाता था |	
	(घ) उपर्युक्त सभी विशेषताएँ तिब्बती समाज में थी |	
	(वर्णनात्मक प्रश्न)	
11.	प्रस्तुत यात्रा -वृत्तांत के आधार पर लिखिए कि उस समय का तिब्बती समाज कैसा था ?	2
	उत्तर:- --- --- --- --- --- --- ---	
12.	सुमति के यजमान और अन्य परिचित लोग लगभग हर गाँव में मिले | इस आधार पर आप सुमति के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का चित्रण कर सकते हैं ?	2
	उत्तर:- --- --- --- --- --- --- ---	

13.	'हालांकि उस वक्त मेरा भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी ख्याल रखना चाहिए था |" – उक्त कथन के अनुसार हमारे आचार -विचार के तरीके वेशभूषा के आधार पर तय होते हैं | आपकी समझ से यह उचित है अथवा अनुचित ,विचार व्यक्त करें |	2
	उत्तर:- -- -- -- -- -- -- --	
14.	थोंगला के पहले आखिरी गाँव पहुँचने पर भिखमंगे के वेश में होने के बावजूद लेखक को ठहरने के लिए उचित स्थान मिला जबकि दूसरी यात्रा के समय भद्र वेश भी उन्हें उचित स्थान नहीं दिला सका | क्यों ?	2
	उत्तर:- -- -- -- -- -- -- --	
15.	आपने किसी भी स्थान की यात्रा अवश्य की होगी ? यात्रा के दौरान हुए अनुभवों को लिखकर प्रस्तुत करें |	2
	उत्तर:- -- -- -- -- -- -- --	

egyanarchive

उत्तरमाला

प्रश्न	दक्षता/उद्देश्य	उत्तर	
		(गद्यांश आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
1.	समझ	उत्तर:- (घ) उपर्युक्त सभी कारणों से |	1
2.	ज्ञान	उत्तर:- (घ) डाकुओं के लिए |	1
3.	विश्लेषण	उत्तर:- (ख)लोग हथियारों को स्वतंत्र रूप से बिना भय के लेकर घूमते हैं |	1
4.	समझ	उत्तर:- (ख)हथियारों का कानून न होने के कारण लोग यहाँ खुले आम हथियार लिए फिरते हैं |	1
5.	स्मरण	उत्तर:- (ग)तिब्बत में सोलह -सत्रह हज़ार फ़ीट की ऊँचाई पर स्थित एक ख़तरनाक जगह |	1
		(पाठ आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
6.	ज्ञान	उत्तर:- (घ)यात्रा वृतांत	1
7.	स्मरण	उत्तर:- (ख)एक भिखारी के वेश में	1
8.	व्यवहार - कौशल	उत्तर:- (क) मक्खन और सोडा-नमक का इस्तेमाल |	1
9.	विश्लेषण	उत्तर :- (ग) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है |	1
10.	समझ	उत्तर :- (घ) उपर्युक्त सभी विशेषताएँ तिब्बती समाज में थी |	1
		(वर्णनात्मक प्रश्न)	
11.	व्यवहार - कौशल	प्रस्तुत यात्रा वृत्तांत के आधार पर उस समय के तिब्बती समाज के बारे में पता चलता हैं कि – * तिब्बत के समाज में छुआछूत,जाति-पाँति आदि कुप्रथाएँ नहीं थीं | • तिब्बती समाज में पर्दा -प्रथा नहीं थी | • उस समय तिब्बत की जमींन जागीरदारों में बंटी थी जिसका ज्यादातर हिस्सा मठों के हाथ में होता था | बौद्ध भिक्षु इनका प्रबंध देखते थे |	2
12.	ज्ञान - कौशल	सुमति के व्यक्तित्व की विशेषताएं अग्रलिखित हैं – • मिलनसार और हँसमुख व्यक्तित्व | • सुमति के परिचय और सम्मान का दायरा बहुत बड़ा था | • सुमति वहाँ एक धर्मगुरु के रूप में सम्मानित था | • सुमति स्वभाव से सरल,मिलनसार ,स्नेही और मृदु था | सभी लोग उसका आदर करते थे |	2
13.	व्यवहार-कौशल	मेरे विचार से वेशभूषा देखकर व्यवहार करना पूरी तरह ठीक नहीं है |अनेक संत-महात्मा और भिक्षु साधारण वस्त्र पहनते है किन्तु वे उच्च चरित्र के इंसान होते है ,पूज्य होते हैं | हम पर पहला प्रभाव वेशभूषा के कारण ही पड़ता है | उसी के आधार पर हम भले -बुरे की पहचान करते हैं |परन्तु अच्छी वेशभूषा में भी कुत्सित विचारों वाले लोग भी हो सकते हैं | गरीब व्यक्ति भी चरित्र में श्रेष्ठ हो सकता है ,वेशभूषा ही सब कुछ नहीं हैं | कीचड़ में खिलने पर भी कमल अपनी सुंदरता बनाए रखता है |	2
14.	विश्लेषण	इसका मुख्य कारण था -संबंधों का महत्व | तिब्बत में इस मार्ग पर यात्रियों के लिए एक-जैसी व्यवस्थाएँ नहीं थी | इसलिए वहां जान -पहचान के आधार पर ठहरने का उचित स्थान मिल जाता था | पहली बार लेखक के साथ बौद्ध भिक्षु सुमति थे | सुमति की वहाँ जान -पहचान थी | पर पाँच साल बाद बहुत कुछ बदल गया था | भद्र वेश में होने पर भी उन्हें उचित स्थान नहीं मिला था | उन्हें बस्ती के सबसे गरीब झोपड़ी में रुकना पड़ा | यह सब उस समय के लोगों की मनोवृत्ति में बदलाव के कारण ही हुआ होगा | वहाँ के लोग शाम होते ही छंङ पीकर होश खो देते थे और सुमति भी साथ नहीं थे |	2
15.	रचनात्मकता /	विद्यार्थी की कल्पना और अनुभव के अनुरूप |	2